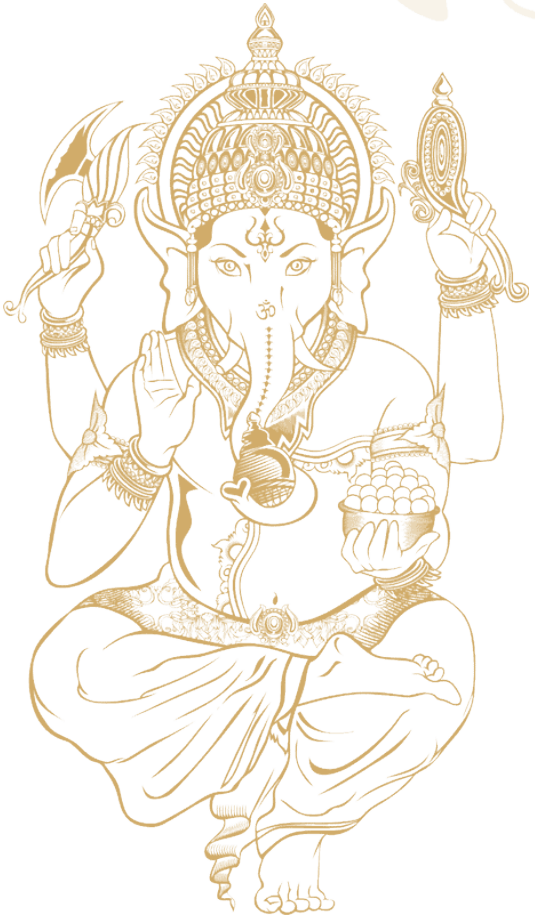

Abhinav

08 Feb 2026

07:05 PM

Khatauli

Model: web-freekundliweb

Order No: 121364203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/02/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**19:05:00 घंटे**
इष्ट	30:02:04 घटी
स्थान	**Khatauli**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:16:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:45:48 घंटे
वेलान्तर	-00:14:10 घंटे
साम्पातिक काल	04:00:29 घंटे
सूर्योदय	07:04:10 घंटे
सूर्यास्त	18:02:57 घंटे
दिनमान	10:58:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	25:34:13 मकर
लग्न के अंश	09:42:52 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	गण्ड
करण	बव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहित
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	09:42:52	311:59:25	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	---
सूर्य			मक	25:34:13	01:00:45	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	15:01:31	12:00:59	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	सम राशि
मंगल		अ	मक	18:26:08	00:47:07	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	उच्च राशि
बुध			कुंभ	08:35:47	01:43:55	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:21:24	00:05:39	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	03:26:29	01:15:11	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	05:11:22	00:06:20	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	14:54:21	00:00:39	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:54:21	00:00:39	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:14:42	00:00:14	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:08:09	00:01:50	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:42:39	00:01:52	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	07:59:06	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

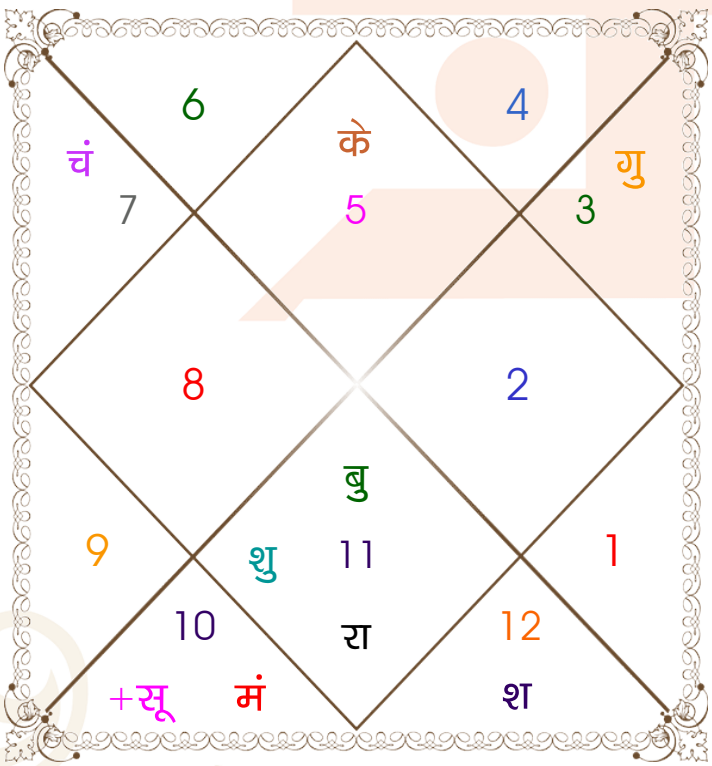

चन्द्र कुंडली

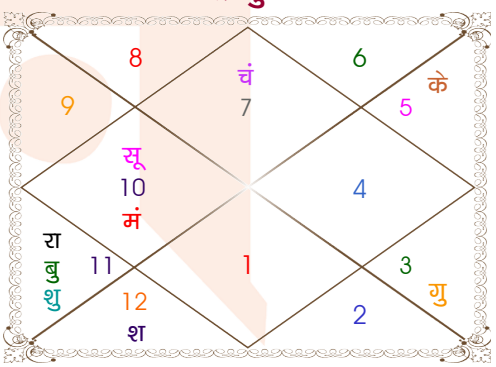

नवमांश कुंडली

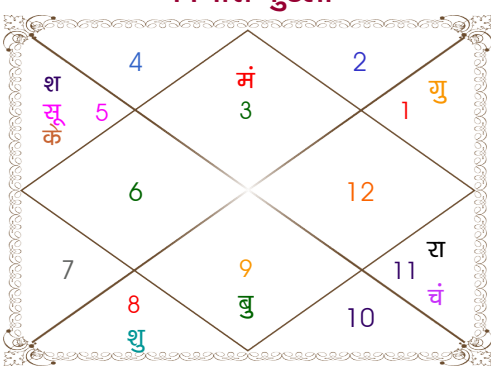

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 6 वर्ष 8 मास 17 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
08/02/2026		27/10/2032		27/10/2048		28/10/2067		27/10/2084	
27/10/2032		27/10/2048		28/10/2067		27/10/2084		28/10/2091	
	00/00/0000	गुरु	15/12/2034	शनि	31/10/2051	बुध	26/03/2070	केतु	25/03/2085
	00/00/0000	शनि	28/06/2037	बुध	10/07/2054	केतु	23/03/2071	शुक्र	26/05/2086
	00/00/0000	बुध	04/10/2039	केतु	19/08/2055	शुक्र	21/01/2074	सूर्य	30/09/2086
	08/02/2026	केतु	09/09/2040	शुक्र	19/10/2058	सूर्य	27/11/2074	चंद्र	01/05/2087
केतु	16/05/2026	शुक्र	11/05/2043	सूर्य	01/10/2059	चंद्र	28/04/2076	मंगल	28/09/2087
शुक्र	16/05/2029	सूर्य	27/02/2044	चंद्र	01/05/2061	मंगल	25/04/2077	राहु	15/10/2088
सूर्य	10/04/2030	चंद्र	28/06/2045	मंगल	10/06/2062	राहु	12/11/2079	गुरु	21/09/2089
चंद्र	10/10/2031	मंगल	04/06/2046	राहु	16/04/2065	गुरु	17/02/2082	शनि	31/10/2090
मंगल	27/10/2032	राहु	27/10/2048	गुरु	28/10/2067	शनि	27/10/2084	बुध	28/10/2091

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
28/10/2091		29/10/2111		29/10/2117		29/10/2127		29/10/2134	
29/10/2111		29/10/2117		29/10/2127		29/10/2134		00/00/0000	
शुक्र	27/02/2095	सूर्य	16/02/2112	चंद्र	29/08/2118	मंगल	26/03/2128	राहु	11/07/2137
सूर्य	27/02/2096	चंद्र	16/08/2112	मंगल	30/03/2119	राहु	14/04/2129	गुरु	05/12/2139
चंद्र	28/10/2097	मंगल	22/12/2112	राहु	28/09/2120	गुरु	21/03/2130	शनि	11/10/2142
मंगल	28/12/2098	राहु	16/11/2113	गुरु	28/01/2122	शनि	29/04/2131	बुध	29/04/2145
राहु	28/12/2101	गुरु	04/09/2114	शनि	29/08/2123	बुध	26/04/2132	केतु	09/02/2146
गुरु	28/08/2104	शनि	17/08/2115	बुध	28/01/2125	केतु	22/09/2132		00/00/0000
शनि	29/10/2107	बुध	22/06/2116	केतु	29/08/2125	शुक्र	22/11/2133		00/00/0000
बुध	29/08/2110	केतु	28/10/2116	शुक्र	29/04/2127	सूर्य	30/03/2134		00/00/0000
केतु	29/10/2111	शुक्र	29/10/2117	सूर्य	29/10/2127	चंद्र	29/10/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 6 वर्ष 8 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।